दिन–शुक्र **दिनांक–27.02.2026**

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः–शाम 06:25 बजे सँ अवधिः–05 मिनट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहलनि जे सरकार द्वारा प्रक्रिया सभ के सरल बनेबा सँ देश सुधारक गति शीघ्रता सँ आगां बढ़ि रहल अछि। श्री मोदी आइ वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम सँ विकसित भारतक लेल प्रौद्योगिकी सुधार आ वित्त विषय पर आयोजित बजट के बाद वेबिनार के सम्बोधित कऽ रहल छलाह। प्रधानमंत्री कहलनि जे पछिल एक दशक मे सरकार अवसंरचना पर विशेष ध्यान देलक अछि। ओ कहलनि जे देशक विकास राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाह, डिजिटल नेटवर्क आ विद्युत प्रणाली एहेन ठोस संपत्ति सभ के तैयार कएकऽ संभव अछि। श्री मोदी कहलनि जे सार्वजनिक पूँजीगत खर्चक बजट मे लगातार वृद्धि कयल जा रहल अछि।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह सीमांचल मे घुसपैठ पर लगाम लगेबाक लेल एसएसबीक आ स्थानीय पुलिस अधिकारी सभ के विशेष निर्देश देलनि अछि। पूर्णियां मे सीमा सुरक्षा आ आंतरिक सुरक्षा के लऽकऽ उच्च स्तरीय समीक्षा बैसक मे श्री शाह सीमांचल मे अवैध घुसपैठ के पूरा तरहें समाप्त करबाक संकल्प दोहरौलनि। केन्द्रीय गृहमंत्री सीमांचलक सीमावर्ती गाम सभक विकासक मुख्य धारा सँ जोड़ैत स्थानीय लोक सभ के सशक्तिकरण पर सेहो बल देलनि।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान कहलनि जे एनसीईआरटी के पुस्तक मे न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार पर अध्याय सम्मिलित करब दुर्भाग्यपूर्ण अछि आ सरकार एहि मामिला के गंभीरता सँ लऽ रहल अछि। नव दिल्ली मे संवाददाता सभ सँ गपशप मे श्री प्रधान कहलनि जे शिक्षा मंत्रालय एनसीईआरटी के सभ पुस्तक वापस लेबा आ रद्द करबाक निर्देश देलक अछि। ओ जनौलनि जे सर्वोच्च न्यायालयक आदेशक अनुसार पुस्तक मे एहि तरहक दायित्वविहीन अध्याय जोड़यवला सभक विरूद्ध कार्रवाई कयल जायत।

———————————————————————————

बिहार विधानमंडलक बजट सत्र आइ संपन्न भऽ गेल। एहि सत्र मे कुल उन्नैस बैसक आयोजित कयल गेल। बजट सत्र मे बिहार विनियोग विधेयक दू हजार छब्बीस, बिहार तकनीकी सेवा आयोग संशोधन विधेयक, बिहार कर्मचारी चयन आयोग संशोधन विधेयक, बिहार नगरपालिका संशोधन विधेयक, बिहार सिविल न्यायालय विधेयक दू हजार छब्बीस, बिहार सचिवालय सेवा संशोधन विधेयक, बिहार निजी व्यावसायिक शैक्षणिक संस्थान विधेयक, बिहार अधिवक्ता कल्याण निधि संशोधन आ बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड संशोधन विधेयक सहित कतेको विधेयक पारित कयल गेल।

———————————————————————————

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा कहलनि जे किशनगंज जिला मे घुसपैठी सभ पर नीतीश सरकार कार्रवाई आरंभ कऽ देलक अछि। विधानसभा मे श्री सिन्हा कहलनि जे किशनगंज मे बाहर सँ आबिकऽ स्थानीय लोक सभक जमीन पर कब्जा करयवला सभक दस्तावेजक जाँच कयल जायत।

———————————————————————————

ग्रामीण विकास विभाग वित्तीय वर्ष दू हजार पच्चीस–छब्बीस मे प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत कार्यरत पांच हजार सँ बेसी आवास कर्मी सभक लंबित मानदेय भोगतानक लेल बियालीस करोड़ टाकाक राशि स्वीकृत कयलक अछि। योजनाक क्रियान्वयन सँ जुड़ल संविदाकर्मी सभक मानदेय अगस्त दू हजार पच्चीस सँ लंबित छल।

———————————————————————————

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मधुबनी जिलाक प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल बलिराजगढ़क उत्खनन करेबाक निर्णय लेलक अछि। ई उत्खनन पटना सर्किलक अधीक्षण पूरातत्वविद डॉक्टर हरिओम शरण के निर्देशन मे कराओल जायत। एहि सँ मिथिलाक प्राचीन सांस्कृतिक विरासत सँ लोक सभ के अवगत करेबा मे मददि भेटत। एक रिपोर्ट–

———बाइट———

राज्य की विशालतम पुरातात्विक स्थल बलिराजगढ़ के उत्खनन की दशकों से मांग की जा रही थी। पुरातत्वविद डा. शिव कुमार मिश्र ने बताया कि बलिराजगढ़ के पुरातात्विक उत्खनन से मिथिला के इतिहास एवं गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से लोगों को अवगत कराने में मदद मिलेगी। इससे पूर्व वर्ष 1962 और 2013–14 में एएसआई ने यहां उत्खनन कराया था। बिहार सरकार के पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय की ओर से भी भी पूर्व में उत्खनन कराया जा चुका है। हालांकि, सभी उत्खनन सांकेतिक रूप से ही कराए गए थे। पूर्व के उत्खननों से प्राप्त सामग्रियों के आधार पर कहा जा सकता है कि साढ़े तीन हजार वर्ष पूर्व यहां कोई विकसित शहर बसा हुआ था। रामायण में वर्णित मिथिला के जनकवंशी राजाओं की राजधानी बलिराजगढ़ में होने की संभावना व्यक्त की गई है। पुरातत्वविदों ने एएसआई के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि बलिराजगढ़ के संपूर्ण उत्खनन से मिथिला की गौरवशाली संस्कृति को भविष्य के लिए संरक्षित करने का सुअवसर प्राप्त होगा। आकाशवाणी समाचार के लिए मधुबनी से आकिल हुसैन।

————————————————————————

समाप्त भेल।